मैं कहीं और भी होता हूँ

कुँवर नारायण की कविताएँ

चयन एवं संपादन

रेखा सेठी

आधार प्रकाशन

पंचकूला (हरियाणा)

ISBN : 978-93-87555-24-2

मूल्य	–	495 रुपये
सर्वाधिकार	–	कविताएँ © कुँवर नारायण चयन, भूमिका एवं अन्य सामग्री © रेखा सेठी
प्रथम संस्करण	–	2019
प्रकाशक	–	आधार प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड एस.सी.एफ. 267, सेक्टर-16 पंचकूला-134 113 (हरियाणा) फोन – 0172-2566952 ई-मेल : aadhar_prakashan@yahoo.com
आवरण	–	अपूर्व नारायण
लेज़र टाइपसेटिंग	–	आधार ग्राफ़िक्स, पंचकूला (हरियाणा)
मुद्रक	–	बी.के. ऑफसेट, नवीन शाहदरा, दिल्ली

Mein Kahin Aur Bhi Hota Hun (Collection of representative poems of Kunwar Narain)
Edited by Dr. Rekha Sethi

Price : Rs. 495/-

अनुक्रम

भूमिका 13

एक

ज़ख़्म 31
पानी का स्वाद 32
उत्तरदायित्व 33
अबकी अगर लौटा तो 35
किसी और ने नहीं... 37
एक संक्षिप्त कालखण्ड में 38
एक स्थापना 40
उपसंहार 42
शून्य और अशून्य 43
चक्रव्यूह 44
समुद्र की मछली 46
घर पहुँचना 47
उदासी के रंग 48
अपठनीय 49
पत्थर के प्राण 51
मेरी कहानी 52

दो

शब्दों के बीच 55
कविता की ज़रूरत 56
भाषा के ध्रुवांतों पर 57
कविता 58
कविता के बहाने 59
भाषा की ध्वस्त पारिस्थितिकी में 60
यक़ीनों की जल्दबाज़ी से 62
माध्यम 63
शब्दों की ध्वनियाँ 66
सतहें 68
काला और सफ़ेद 69
शब्द जो खो जाते हैं 71

तीन

नयी कक्षा में 75
सम्मेदीन की लड़ाई 76
पहला सवाल 78
वे भीड़ नहीं, हम हैं 80
लोगों की क़तार में 82
अयोध्या, 1992 84
क्रौंच-वध 86
महा भारत 88
बर्बरों का आगमन 90
शनाख़्त के सिलसिले 91
दिल्ली की तरफ़ 93
नालंदा और बख़्तियार 94
जंजीरा का क़िला 96
आज भी 98
एक जले हुए मकान के सामने 99

चार

अंकोर वाट 103
बादलों में जिसका घर हो 104
नीम के फूल 105
सवेरा 107
कमरे में धूप 108
तारों की धूल 109
ओस-नहाई रात 110
एक पहाड़ी शाम 112
बहार आई है 113
लू में गुलमुहर के फूल 114
वृक्षों के शिखर 115
एक वृक्ष की हत्या 116
पैतृक संबंध है वन से जीवन का 118

पाँच

आजकल कबीरदास 125
अमीर ख़ुसरो 131
सरहपा 133
इब्नेबतूता 135
नीरो का संगीत-प्रेम 137
वे जो नहीं जानते 139
काफ़्का के प्राहा में 141
क़ुतुब का परिसर 143
रास्ते (फतेहपुर सीकरी) 145
अनात्मा देह (फतेहपुर सीकरी) 146
लखनऊ 147
गोलकुण्डा की एक शाम 149
भर्तृहरि की विरक्ति 152
सबीना 155

छह

नैषा तर्केण मतिरापनेया	159
वाजश्रवा का क्रोध	161
पिता से गले मिलते	168
सारथी बुद्धि	169
फिर से जिया जा सकता है कुमारजीव को	172
उससे लड़कर मुझे नष्ट नहीं होना है	175
पुनः एक की गिनती से	177

सात

एक अजीब-सी मुश्किल	181
रंगों की हिफ़ाज़त	183
एक हरा जंगल	184
प्यार की भाषाएँ	185
बारिश में भीगने से पहले	187
चाह का आकाश	188
तुम मेरे हर तरफ़	190
संबंध के डोरे	191
सागर के किनारे	193
अकेली ख़ुशी	195
आना किंतु इस तरह	196
हम साथ हैं	198
कहता है कुमारजीव उनसे	200
संभावनाएँ	202

आठ

उत्केंद्रित	205
कुछ छोटी कविताएँ	206
संदर्भ : 'गुएर्निका'	212
एक अजीब दिन	213

एक जन्मदिन जन्मस्थान पर... 214
बाज़ारों की तरफ़ भी 219
अपने बजाय 221
स्पष्टीकरण 223
उत्सर्ग 224
दरवाज़ा 225
अन्तर्दृष्टि 226
दुनिया को बड़ा रखने की कोशिश 227
ऊँचा उठा सिर 229
मैं कहीं और भी होता हूँ 230

कुँवर नारायण : जीवन 233
कुँवर नारायण : रचनाएँ 236
अपने-अपने कुँवर नारायण 247
कविता और संकलन 253